पुस्तकालय

2602
12/12/07

असंशोधित

10 DEC 2007

बिहार विधान-सभा वादवृत्त

सरकारी प्रतिवेदन

(भाग]—कार्यवाही—प्रश्नोत्तर)

प्रतिवे... ाखा
गै०स०प्रे०सं० 1306 तिथि 11.12.07

टर्न-९/अंजनी/दि० १०.१२.०७

तारांकित प्रश्न संख्या-१०-मा० सदस्य श्री विभाष चन्द्र चौधरी

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव, मंत्री : अध्यक्ष महोदय, खंड(1) उत्तर स्वीकारात्मक है । अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही है । खंड(2) वित्तीय वर्ष २००७-२००८ में कटिहार जिला को कब्रिस्तान घेराबंदी हेतु अबतक ७० लाख रूपया का आवंटन दिया गया है । गोरियारी कब्रिस्तान का प्राक्कलन ५ लाख ८७ हजार एवं मोहनाचांदपुर का प्राक्कलन ३ लाख ४९ हजार को स्वीकृत कर घेराबंदी बनाने की कार्रवाई की जा रही है ।

श्री विभाष चन्द्र चौधरी : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से इतना ही जानना चाहता हूँ कि प्राक्कलन बन गया है, काम शुरू होगा इस वित्तीय वर्ष में, काम होगा, यह बात सही है लेकिन जो मोहनाचांदपुर पंचायत का झरकाहा उमीटोला का कब्रिस्तान है, उसमें मात्र एक बीघा जमीन है और उस एक बीघा जमीन में दस कठ्ठा में ही कब्रिस्तान है । उस १० कठ्ठे जमीन में कुछ लोगों के द्वारा मकई की खेती की जा रही है अतिक्रमण कराकर, तो जो मकई का खेत अतिक्रमित है, तो क्या उसे अविलम्ब कब्रिस्तान के लिए दे दिया जायेगा अथवा नहीं या कितने दिनों में उस कब्रिस्तान को अतिक्रमण से मुक्त करा दिया जायेगा ?

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव, मंत्री : महोदय, मैंने कहा कि प्राक्कलन स्वीकृत हो गया है, अब निर्माण कार्य प्रारम्भ होगा । अतिक्रमण हटाया जायेगा, यह तो मैंने उत्तर में कहा ही है ।

तारांकित प्रश्न संख्या-११, मा० सदस्य श्री तारकिशोर प्रसाद

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव, मंत्री : महोदय, खंड(1) उत्तर आंशिक रूप से स्वीकारात्मक है । जिला पदाधिकारी, कटिहार से प्राप्त प्रतिवेदन के अनुसार दिनांक १३.११.०७ को जिला प्रशासन, कटिहार द्वारा एस०जे०जी०एस०वाई० अंतर्गत स्वयं सहायता समूह के लिए ऋण वितरण हेतु आयोजित समारोह में कोई भी माननीय स०वि०स० भाग नहीं लिये थे । खंड(2) पूर्व में ही प्रोटोकोल के अनुपालन हेतु निदेश दिये गये हैं ।

श्री तारकिशोर प्रसाद : अध्यक्ष महोदय....

श्रीमती पूनम देवी यादव : अध्यक्ष महोदय.....

अध्यक्ष : आप बैठिए । प्रश्नकर्त्ता सदस्य जब खड़े हैं तो पहले उनको प्रश्न पूछने दीजिए । पूनम जी बैठिए ।

श्री तारकिशोर प्रसाद : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय प्रभारी मंत्री जी से पूछना चाहता हूँ कि जिला पदाधिकारी, कटिहार ने एक प्रतिवेदन दिया है कि कोई भी माननीय सदस्य उसमें उपस्थित नहीं हुए । किसी भी कार्यक्रम में उपस्थिति माननीय विधायकों का, सांसदों का होना या नहीं होना, यह उनकी मर्जी पर निर्भर है । लेकिन जिला पदाधिकारी, कटिहार या जिला प्रशासन के द्वारा जो

निमंत्रण-पत्र निर्गत किया गया और इसके पूर्व भी जिला प्रशासन, कटिहार के द्वारा जितने भी सरकारी स्तर पर, राजकीय स्तर पर समारोह आयोजन किये गये, उसमें जान-बुझकर के प्रमंडलीय आयुक्त को मुख्य अतिथि बनाया गया और कटिहार जिला के जितने भी माननीय विधायक हैं , माननीय सदस्य बिहार विधान सभा हैं, उनको विशिष्ट अतिथि के तौर पर बुलाया गया.....

(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय....

अध्यक्ष : शांति-शांति ।

श्री तारकिशोर प्रसाद : अध्यक्ष महोदय, लोकतंत्र में संसद और विधान-सभा..

अध्यक्ष : कोई भी बात प्रोसीडींग्स में नहीं जायेगी, एक-एक करके माननीय सदस्य बोलें । जो प्रश्नकर्त्ता सदस्य हैं, उनको पहले बोलने दीजिए ।

(व्यवधान)

(इस अवसर पर विरोधी पक्ष के कई माननीय सदस्य अपने-अपने स्थान पर खडे होकर कुछ बोलने लगे)

प्रश्नकर्त्ता सदस्य को अपनी बात बोलने दीजिए, आपलोग बैठिए । शांति-शांति ।

श्री तारकिशोर प्रसाद : अध्यक्ष महोदय....

(व्यवधान)

माननीय सदस्य बैठिए तो पहले, बैठियेगा नहीं तो कैसे कोई बात होगी । बैठिए । पहले बैठिए, ऐसे कोई भी बात प्रोसीडींग्स में नहीं जायेगी । बैठिए-बैठिए।

(व्यवधान)

तारांकित प्रश्न संख्या-११ का पूरक

(व्यवधान)

अध्यक्ष : मा० सदस्या पूनम जी, आपकी कोई बात प्रोसीडींग में नहीं जायेगी। जब प्रश्नकर्त्ता सदस्य अपनी बात रख रहे हैं तो पहले उन्हें अपनी बात रखने दीजिये। मा० प्रश्नकर्त्ता सदस्य आप सीधे अपना प्रश्न रखें।

श्री तारकिशोर प्रसादः अध्यक्ष महोदय, प्रश्न के महत्व को एक-दो बिंदुओं के द्वारा रख रहा हूँ। अध्यक्ष महोदय, पूरे हिन्दुस्तान में और बिहार में लोकशाही चल रही है । महोदय, पूरे हिन्दुस्तान में लोकशाही का प्रतीक संसद होता है और राज्य में विधान सभा होती है और इस परम सत्ता के हम माननीय सदस्य हैं और आप हमारे अभिभावक हैं। जिला स्थापना दिवस समारोह में भी प्रमंडलीय आयुक्त को मुख्य अतिथि बनाया गया और ऐसा कटिहार जिला में बराबर हो रहा है।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : माननीय प्रभारी मंत्री।

श्री विजेन्द्र प्र० यादव, मंत्री : महोदय, यह जो बैंक से ऋण देने वाला समारोह था उसमें कमिशनर बुलाये गये थे। आगे से सख्त निर्देश दिया जा रहा है कि किसी भी तरह के सरकारी समारोह या अन्य समारोह में अगर किसी भी पदाधिकारी के द्वारा इस तरह की कार्रवाई नहीं की जाय और अगर कोई ऐसा करेंगे, आदेश का अनुपालन नहीं करेंगे तो उन पर कड़ी कार्रवाई की जायेगी और आगे से हर चीज में, ऐसे कार्यक्रमों में माननीय विधायकों को आमंत्रित कर उनकी उपस्थिति सुनिश्चित किया जायेगा।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, माननीय मंत्री ने स्पष्ट तौर से कहा कि जो भी सरकारी समारोह का आयोजन किया जायेगा इस तरह का उन सभी कार्यक्रमों में स्थानीय संबंधित जन-प्रतिनिधियों को उसमें बुलाया जायेगा।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : मा० सदस्य श्री तारकिशोर जी, अब आप बैठिये। मा० सदस्य, श्री भोला सिंह।

श्री भोला सिंह : अध्यक्ष महोदय, सदन में जो आलोच्य प्रश्न है, माननीय मंत्री ने कहा कि जो इस तरह के मामले हैं सरकार उस पर एक निर्देश देगी, आपका भी एक आदेश हुआ है, मैं सिर्फ इसमें यह कहना चाहता हूँ कि सम्पूर्ण राज्य में, केवल यह कटिहार का प्रश्न नहीं है, सम्पूर्ण राज्य में सरकार की मंशा रहते हुए भी, सरकार की दृष्टि रहते हुए भी राज्य के प्रत्येक जिले के जो माननीय सदस्यगण हैं उनकी घोर उपेक्षा हो रही है।

(क्रमशः)

टर्न-११:ज्योति-बबलू

१०-१२-२००७

श्री भोला सिंह, क्रमशः विधायक अपमानित हो रहे हैं, लगता है अदना चिड़ियाँ कहीं से आकर गांछ पर कहीं आकर बैठी है इसलिए हम आपके माध्यम से महोदय ...

श्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव, मंत्री : नहीं, महोदय,..

श्री भोला सिंह : आप सरकार हैं, सुनने का धैर्य रखिये मंत्री जी, आप सरकार हैं । महोदय, मैं कोई अनर्गल बात नहीं करता, कोई गैर असंवैधानिक बात नहीं करता, आप सुनिये, आप हमारे अभिभावक हैं ।

श्री रामाश्रय प्रसाद सिंह, मंत्री : अध्यक्ष महोदय, कटिहार की बात हो रही है लेकिन ये सारे राज्य की बात उठा रहे हैं ।

(व्यवधान)

श्री भोला सिंह : अध्यक्ष महोदय, आप हमारे कस्टोडियन हैं ।

श्री रामाश्रय प्रसाद सिंह, मंत्री : यह अनर्गल है । एक जगह की बात, यहाँ श्री तारकिशोर प्रसाद जी का प्रश्न है, उसका जवाब हो रहा है ।

श्री भोला सिंह : रामाश्रय बाबू, हम आसन से अपील कर रहे हैं, वे हमारे कस्टोडियन हैं । हम सरकार से नहीं कहते । हम आसन को कहते हैं, आप हमको रोक नहीं सकते हैं इसलिए अध्यक्ष महोदय, हम आपके माध्यम से कहना चाहते हैं कि संपूर्ण राज्य में यह स्थिति उपस्थित है इसलिए आप और माननीय मंत्री जी से भी कहना चाहता हूँ कि विरोधी दल के नेता से बात करके आप एक बैठक बुला लीजिये, आप अपने आसन से एक बैठक बुला लीजिये और इस सवाल पर पूरे राज्य में जो अवहेलना हो रही है, माननीय सदस्य उपेक्षित हो रहे हैं, उस सबंध में सरकार की भी कोई दूसरी मंशा नहीं है, एक समेकित निर्णय लेकर के पूरे राज्य के पदाधिकारियों को निर्देश दे दिया जाय।

श्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव, मंत्री : महोदय, जरा मेरी बात सुन ली जाय । भोला बाबू, जो अभी कह रहे हैं, भोला बाबू, एम०एल०ए० के रुप में बेगुसराय की मीटिंग में बहिष्कार किए थे, सारे एम०एल०ए० और एम०पी० और भोला बाबू के विधायक फंड का कलक्टर इम्पलीमेंटेशन नहीं कर रहे थे, मैं भी भोला बाबू की अध्यक्षता की कमिटी में था और कलक्टर मीटिंग में नहीं आयी । गया में मंत्री बैठे हुए थे नीचे में और कलक्टर बैठे हुए थे कुर्सी पर और ये लोग बोल रहे हैं कि बड़ा भारी अफसरशाही बढ़ गयी है, आपलोगों को क्या नैतिक अधिकार है, पूछिये सच है या झूठ ?

(व्यवधान)

श्री शकील अहमद खाँ : माननीय मंत्री और यह सरकार विधायकों की तौहीन करा रही है । आप डिमोक्रेसी पर हमला कर रहे हैं, आप विधायकों की तौहीन करा रहे हैं ।

श्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव, मंत्री : क्या हाल था, क्या हालात था कि बिजली बोर्ड का चेयरमैन भी आपकी बात नहीं मानता था, इंसपेक्टर ने लिखा आपके खिलाफ में ।

श्री शकीलन अहमद खाँ : विधायकों की तौहीन करवा रहे हैं, एम०पी० की तौहीन करा रहे हैं।

अध्यक्ष : आरोप-प्रत्यारोप की कोई बात उस तरह से नहीं जायेगी, कोई भी बात इसतरह से नहीं जायेगी ।

(व्यवधान)

टर्न-११:ज्योति-बबलू

१०-१२-२००७

श्री शकील अहमद खाँ : अध्यक्ष महोदय, हमलोगों को बोलने का मौका दीजिये । मेन विपक्ष के लोग हैं । पूरे बिहार के अंदर सारे अफसरों द्वारा सारे, चुने हुए प्रतिनिधियों का, एम०पी० और एम०एल०ए० का और यहाँ तक कि मंत्री की भी तौहीन हो रही है ।

श्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव, मंत्री : आर०जे०डी० के लोगों को ऐसा बोलने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है और लोग बोलें तो बोलें ।

श्री शकील अहमद खाँ : हमलोगों को अधिकार है, आपको क्या अधिकार है, आप तो हमारे यहाँ भी थे । शर्म आपको करनी चाहिए, बिजेन्द्र जी । आप सदन को बिल्कुल इरेलीभेंट बनाते जा रहे हैं ।

(व्यवधान)

अध्यक्षः शांति-शांति, बर्मा जी बैठिये ।

श्री महेश्वर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूँ कि सदन सर्वभौम है । महोदय, आपके रहते हुए, हम आप में सन्निहित हैं और महोदय, पूरे राज्य में, मंत्री जी ने जवाब दिया इनके समय में नीचे बैठाया जाता था, तो हमको ये कहाँ बैठाना चाहते हैं, महोदय, पूरे राज्य में कार्यपालिका विधायिका का अपमान कर रही है, अब विधायिका संकट में है इनके शासन में, यह अफसरशाही है, आप अपने विधायकों से पूछिये क्या हो रहा है, ये अफसरशाही हावी है, महोदय । आज कलक्टर ने बयान दिया है कि नेता लोग अब टायलेट का उद्घाटन करेंगे, इनके राज्य में महोदय, ऐसा हो रहा है, कहीं विधायिका की मान-मर्यादा प्रतिष्ठा सुरक्षित नहीं है । कोई प्रश्न करने पर जवाब स्पष्ट नहीं है । ये निर्देश देंगें लेकिन जो व्यक्ति, जो पदाधिकारी नियम का उल्लंधन किया, इनके नियम का उल्लंघन किया तो ये कौन कार्रवाई करना चाहते हैं ? इसका तो कहीं कोई उल्लेख किया नहीं और पिछले की बात, ये १५ साल की बात बार-बार, १५ साल की बात तो ढ़ाई साल और है और आप यहाँ भी बैठने लायक नहीं रहियेगा, जिस हिसाब में आप चले रहे हैं । आप १५ साल की बात करते हैं, अगर १५ साल में गलती हुई उसी के परिणामस्वरुप आप सत्ता में आए और जब सत्ता में आए तो सुधार की जनता आशा करती है लेकिन जनता की बात छोड़ दीजिये, जो जनता के द्वारा चुने गए प्रतिनिधि हैं, इनके शासन में अपमानित हो रहे हैं, दो गाड़ी में टक्कर हुआ, ड्राईवर में झंझट हुआ और विधायक पकड़ा कर जेल चला गया और इनके पदाधिकारी गलती करते हैं, अपमान करते हैं विधायकों का, जो नियम है उसका उल्लंघन करते हैं, उसपर कोई कार्रवाई नहीं । ये कार्यपालिका के आभामंडल में इनकी विधायिका, इनका मंत्रिमंडल महोदय, पड़ गया है कार्यपालिका के फेर में और ये बिहार को बर्बाद करने पर नियम-कायदा को बर्बाद करने पर तुले हुए हैं इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि जो पदाधिकारी गलती किए हैं, उस पर स्पष्ट कार्रवाई का निर्देश होनी चाहिए । हम निर्देश दे दिये हैं, उसका पालन नहीं हुआ, कलक्टर विधायिका पर बोल रहा है, प्रखण्ड विकास पदाधिकारी अपमान कर रहा है, थाना में विधायक अपमानित हो रहे हैं। आखिर केसे यह चलेगा, महोदय ? यह रास्ता आपको निकालना होगा ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : आप एक ही बात को दुहरा रहे हैं, आप बैठिये ।

श्री रामदेव वर्मा : अध्यक्ष महोदय, जो प्रश्न आये । मामला बहुत गम्भीर है । आज विधायिका पर जिसतरह से न्यापालिका के द्वारा या कार्यपालिका के पदाधिकारियों के द्वारा अभी मंत्री जी जवाब दे रहे थे कि आगे आदेश निर्गत कर दिया जायेगा, अब कोई ऐसी कार्रवाई, विधायिका के माननीय सदस्यों की प्राथमिकता को गौण नहीं किया जायेगा, वे शिलान्यास में भाग नहीं लेंगें या फँक्शन में बाटेंगे नहीं, अरे जिन लोगों ने आपके सर्कुलर का उल्लंघन किया कटिहार का, डी०एम० और कमीशनर, उस पूर्व के आदेश के उल्लंघन करने वाले इन दोनों पदाधिकारियों के ऊपर आप क्या करना चाहते हैं, प्रश्न यह है सदन में ?

अध्यक्ष : बैठिये । माननीय सदस्यगण ..

(व्यवधान)

अध्यक्ष : यह डिवेट का विषय नहीं न हो सकता है, अभी ।

डा० रामचन्द्र पूर्वे : महोदय, माननीय भोला बाबू ने जब विधायकों का....

श्री रामदेव वर्मा : महोदय, कहीं कार्यक्रम का शिलान्यास या बंटवारा पदाधिकारी नहीं करेंगें, जिन पदाधिकारियों ने कलक्टर, कटिहार और कमीशनर, पूर्णिया ने उसका उल्लंघन किया तो उसपर ये क्या कार्रवाई करना चाहते हैं ?

[व्यवधान]

श्री रामचन्द्र पूर्वेः महोदय, यह विधायको का सम्मान का प्रश्न है । इस संबंध में माननीय श्री भोला बाबू ने आपसे अनुरोध किया कि आप नेता, विपक्ष और संसदीय कार्य मंत्री के साथ बैठकर सभी स्तरों पर विधायकों की प्रतिष्ठा कैसे अक्षुन्न रहे सदन की मर्यादा कैसे बढें इस संबंध में बैठक करके कोई निर्णय लिया जाय और यह पूरे बिहार में लागू हो, ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए ।

[व्यवधान]

श्री विजेन्द्र प्र० यादव,मंत्रीः निश्चित तौर से विधायकों के सम्मान हर हालत में अक्षुन्न और सुरक्षित रहेंगे । कोई भी आदमी जो इस तरह की बात करेगा, उस पर अपेक्षित कार्रवाई की जाएगी ।

[व्यवधान]

श्री रामचन्द्र पूर्वेः अध्यक्ष महोदय, हमारे प्रखंड में प्रखंड विकास पदाधिकारी बाल मेला का उद्घाटन करते हैं । किसी प्रखंड में प्रखंड विकास पदाधिकारी बाल मेला का उद्घाटन करते हैं तो उस उद्घाटन समारोह में वहां के स्थानीय विधायक किस हैसियत से सम्मिलित होंगे । क्या वे विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगे, क्या सम्मानित अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगे, या किसी कार्ड के द्वारा उनको आमंत्रित किया जाएगा, इस रूप में सम्मिलित होंगे, इसको कृपया निर्धारित कर दीजिये । कलक्टर के मिटिंग में कलक्टर उद्घाटन करेंगे तो जो हमारे सम्मानीय सदस्य हैं, दर्शक के रूप में वहां उपस्थित होंगे, या किस रूप में उपस्थित होंगे, यह प्रश्न है, इसका जवाब हम चाहते हैं ।

[व्यवधान]

[इस अवसर पर लोजपा, राजद के मा० सदस्य सदन के वेल में आकर सदन से बाहर चले गए]

अध्यक्षः अब प्रश्नोत्तरकाल समाप्त हुआ । जिन प्रश्नों के उत्तर तैयार हों, उसे सभा पटल पर रख दिया जाय ।